नत्थुपुर से एम्स गोलम्बर तक बनेगी सात किमी चार लेन नई सड़क

पटना-डोभी फोर लेन से दो और एनएच जुड़ेंगे

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। राज्य के तीन राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) का आपस में जुड़ाव होगा। राज्य सरकार ने पटना-गया-डोभी को पटना-बक्सर और पटना-औरंगाबाद से आपस में जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके लिए एम्स गोलम्बर के समीप एक जंक्शन का निर्माण होगा। राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र सरकार ने मंजूर कर दिया है। जल्द ही इस दिशा में काम शुरू होगा।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार हाल ही में बिहार सरकार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा, पथ निर्माण विभाग के आलाधिकारियों के साथ केंद्रीय सड़क एवं परिवहन राजमार्ग मंत्रालय के सचिव वी उमाशंकर के साथ उच्चस्तरीय बैठक हुई थी। उस बैठक में बिहार में चल रहे एनएच परियोजनाओं की समीक्षा की गई। साथ ही राज्य में प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी मंथन हुआ।

उसी बैठक में बिहार सरकार की ओर से पटना-गया-डोभी को पटना-बक्सर और पटना-औरंगाबाद से जोड़ने की चर्चा हुई। इसके लिए एम्स गोलम्बर पर एक जंक्शन बनाने का निर्णय लिया गया। तीनों एनएच को जोड़ने के लिए परसा के समीप नत्थुपुर से एम्स गोलम्बर तक एक नई सड़क बनाने की बात हुई। बिहार के प्रस्ताव को मंजूर करते हुए केंद्र सरकार ने इसका निर्माण शुरू करने की औपचारिक प्रक्रिया शुरू करने के लिए कहा है।

पटना-गया-डोभी, पटना-औरंगाबाद और पटना-बक्सर आपस में जुड़ेंगे

09 सौ करोड़ रुपये जमीन अधिग्रहण पर खर्च होंगे

- एम्स गोलंबर पर तीन अहम सड़कों के जुड़ाव से सफर होगा आसान
- राज्य सरकार ने सड़क बनाने का दिया प्रस्ताव, केंद्र सरकार ने दी इसकी सहमति

आमस-दरभंगा में दो स्पर का निर्माण होगा

आमस से दरभंगा के बीच बन रही सड़क को बोधगया और राजगीर से जोड़ा जाना है। वित्तीय वर्ष 204-25 के बजट में इसके लिए स्पर का निर्माण करने की घोषणा की गई है। हालांकि अब तक इन दोनों स्पर का निर्माण करने के लिए डीपीआर का निर्माण नहीं हो सका है।

दर्जन भर जिलों को होगा लाभ

तीनों एनएच के आपस में जुड़ने से राज्य के दर्जन भर जिले के लोगों को सीधा लाभ होगा। गया, जहानाबाद, आरा, बक्सर, औरंगाबाद सहित शाहाबाद के अन्य जिले के लोगों को पटना शहर में प्रवेश करने की जरूरत नहीं होगी और वे सीधे अपने गंतव्य स्थान तक आ-जा सकेंगे। पूर्वी या उत्तर बिहार से आने-जाने वालों को भी पटना आने की जरूरत नहीं होगी। वे नई चार लेन सड़क से आरा-बक्सर या औरंगाबाद की ओर आसानी से आ-जा सकेंगे। लोग कम समय में अपना सफर पूरा कर सकेंगे। व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा और लोग अपने उत्पादों को आसानी से एक से दूसरे जिलों में भेज सकेंगे।

प्रस्ताव के अनुसार नत्थुपुर से एम्स गोलम्बर तक की दूरी लगभग सात किलोमीटर है। तीनों एनएच को जोड़ने के लिए चार लेन नई सड़क बनेगी। अरसा पहले इस योजना पर काम होना था लेकिन बाद के दिनों में किसी कारणवश यह परियोजना ठंडे बस्ते में चली गई थी। अब राज्य सरकार के प्रस्ताव पर केंद्र ने अपनी सहमति दे दी है। जल्द ही अब इसके लिए डीपीआर बनाई जाएगी।

योजना के अनुसार सात किलोमीटर में अधिकतर इलाका शहरी क्षेत्र है। ऐसे में जमीन अधिग्रहण में अधिक पैसा खर्च होने की उम्मीद है। आकलन के अनुसार लगभग 900 करोड़ जमीन अधिग्रहण में खर्च होंगे। इसके अलावा सड़क के निर्माण पर पैसा खर्च होगा जो डीपीआर बनने के बाद ही पता चल सकेगा। सड़क को इस तरह बनाया जाएगा कि स्थानीय निवासियों को इस सड़क पर आने-जाने में परेशानी नहीं हो। इसके लिए रैम्प, आरओबी, आरयूबी का भी निर्माण होगा।